

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, मीरजापुर क्षेत्र, मीरजापुर  
पत्रांक-482/मी0क्षे0/33/मीरजापुर, दिनांक जुलाई, 30- 2024

सेवा में,

प्रधान मुख्य वन संरक्षक/नोडल अधिकारी,  
पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

विषय- वेलेस्पन एनर्जी यू0पी0 प्रा0 लि0 द्वारा ग्राम-ददरी खुर्द, तहसील-सदर, जनपद-मीरजापुर में प्रस्तावित 1320(2\*660) मेगावाट ताप विद्युत गृह की स्थापना हेतु जलापूर्ति बावत भूमिगत वाटर पाइप लाइन एवं सम्पर्क मार्ग निर्माण हेतु 8.3581 हे0 आरक्षित वन भूमि के गैर वानिकी प्रयोग एवं बाधक 296 वृक्षों के पातन की अनुमति के सम्बन्ध में।

सन्दर्भ- 1-भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पत्रांक-File No. 8B/UP/08/38/2016/FC/69 दिनांक 24.06.2024

2-आपका पत्रांक-3844/11-सी-FP/UP/THERMAL/14236/2015, दिनांक 27.06.2024

महोदय,

विषयक प्रकरण में संदर्भित पत्रों का अवलोकन करने की कृपा करें। प्रश्नगत प्रकरण में भारत सरकार दिनांक 24.06.2024 द्वारा मॉगी गयी वांछित सूचना/अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। उक्त के आलोक में प्रभागीय वनाधिकारी मीरजापुर ने अपने कार्यालय के पत्र सं0-391/मीरजापुर/15 दिनांक 30.07.2024 (छाया प्रति संलग्न है) द्वारा निम्न प्रकार प्रेषित किया है।

S.N.	Observations	Response
1	Details regarding KML File , CA land and other information, presented during the meeting need to be uploaded on portal and forwarded by the Nodal officer, Accordingly following information, as presented during the meeting , need to be uploaded / provided:	
A)	KML file of the area proposed for diversion is still not rectified. Uploaded KML file of the area proposed for diversion is in point format.	KML file of the area proposed for diversion is rectified and uploaded in the Parivesh portal.
b)	The proposed CA land has been proposed in Non-forest land under the Kaimur WLS area. This needs to be confirmed by DFO & Nodal Officer.	NOC regarding CA land under Kaimur WLS by DFO. Mirzapur Forest Division & DFO Kaimur Wildlife Sanctuary, Mirzapur officer is Enclosed as (Annexure-1 )
c)	Still Geo – referenced map of the proposed forest land along with toposheet map has not uploaded on Parivesh Portal.	Geo-referenced map of the proposed forest land along with toposheet map has been uploaded on Parivesh Portal (Annexure-2 )
d)	The said project is related to laying of water pipeline and approach access to the thermal power plant but it is not clear form the uploded KML , file as well as Geo referenced map.	KML file of the forest area proposed for diversion of construction of water pipline and approach access to the thermal power plant is rectified and uploded in the parivesh portal .
e)	Area calculation along with land schedule is not uploaded.	Area calculation is uploaded in Parivesh portal & also enclosed as (Annexure-3 )

— 2 —



f)	Comparative study of Alternatives routes has not been explored for the project.	Comparative analysis of Alternatives routes explored for the proposed construction of water pipeline & approach road is enclosed here with as (Annexure-4)
g)	Legal Status of land and current status of proposed Thermal power Plant is not clear.	<p>Presently approx. 828 Acres of Private land is under possession of the Company and 77 Acres of Government land has been applied to the Govt. of Uttar Pradesh. Further the Construction of Proposed thermal power plant is yet to be started. Land details enclosed as (Annexure-5)</p> <p>विज्ञप्ति संख्या- 617 दिनांक 11.10.1952 द्वारा 1643 एकड़ भूमि विज्ञापित हुयी एवं कालान्तर में धारा-20 के अन्तर्गत वर्ष 1977 में 262.16 एकड़ भूमि विज्ञापित हुयी। अवशेष 1380.84 एकड़ भूमि के सम्बन्ध में शासन के पत्रांक-VIP-23/14- 2019 -190 जी0 /2018 दिनांक 28.06.2019 द्वारा निर्धारित की गयी, प्रक्रिया अनुसार वेलस्पन एनर्जी द्वारा कय की गयी 843.68 एकड़ में वन भूमि निहित है अथवा नहीं, के सम्बन्ध में आख्या की अपेक्षा की गयी।</p> <p>इस सम्बन्ध में कार्यालय जिलाधिकारी मीरजापुर के पत्रांक-1869/ जि0भू0 व्य0लि0 /गैर वन भूमि-टीम गठन-2024, दिनांक 12.02.2024 द्वारा गठित संयुक्त टीम की रिपोर्ट/विस्तृत आख्या/टिप्पणी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी, मीरजापुर के पत्रांक-5916 /जि0भू0 व्यय0लि0 -2023 /थर्मलए0यू0 पी0 प्रा0लि0, दिनांक 29.02.2024 के साथ संलग्न गठित संयुक्त टीम की रिपोर्ट के अनुसार 1359 फसली खसरा में बंजर भूमि जिसका रकबा 803.718 एकड़ है, उक्त भूमि 1362 फसली की खतौनी के उपलब्ध अभिलेख में वर्ष 1954 से ही सीरदारों के नाम दर्ज है तत्समय ग्राम सभा की कोई भी भूमि बंजर अंकित नहीं है।</p> <p>शासनादेश संख्या-617 के शेड्यूल-2 के अन्तर्गत ग्राम-ददरी खुर्द में वन रूप में उपलब्ध समस्त भूमि (264.88) एकड़ भूमि वन विभाग को उपलब्ध करा दी गयी थी एवं शेष भूमि तत्समय ही उपलब्ध न होने के कारण वन विभाग को दिया जाना सम्भव नहीं था एवं वर्तमान में भी सम्भव नहीं है एवं इस प्रकार अन्य खातो की भूमि जिसमें वेलस्पन के द्वारा क्रय की गयी भूमि भी सम्मिलित है, वह निहित वन के रूप में नहीं है, एवं वन से आच्छादित नहीं है।” (Annexure-6)</p>
2	FRA Certificate along with Gram Sabha resolution need to be uploaded.	FRA Certificate along with Gram Sabha resolution has been uploaded in Parivesh Portal and the same is enclosed herewith as (Annexure-7)
3	After detailed discussion the committee decided that the Nodal officer needs to negate/examine the applicability of the FCA on such lands in respect of above Gata numbers, Which are classified as Jhari on the basis of records and accordingly, if	As per the joint inspection report dated 03-04-2024 , it has been clarified that plot no. 180 & 216J are not forest land . Inspection Report enclosed as (Annexure-8) However, an undertaking for submission of proposal for diversion of jhari land Ghata Nos 180

required user agency needs to submit proposal for diversion of forest land for Ghata Nos. 180 and 216 of Dadri Khurd village required for construction in respect of Thermal Power plant, which is a separate proposal for which EC has been accorded.	and 216 of Dadri Khurd village required for construction in respect of Thermal Power Plant is enclosed as ( Annexure- 9 )
--	--

अतः प्रभागीय वनाधिकारी मीरजापुर द्वारा प्रश्नगत मामले की प्रेषित बिन्दुवार आख्या एतदसह संलग्न का आवश्यक अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित।

संलग्नक:-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(मनीष मिश्रा)

मुख्य वन संरक्षक

मीरजापुर क्षेत्र, मीरजापुर।

संख्या-482अ/समदिनांक

प्रतिलिपि- प्रभागीय वनाधिकारी मीरजापुर को सन्दर्भित पत्र के क्रम में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(मनीष मिश्रा)

मुख्य वन संरक्षक

मीरजापुर क्षेत्र, मीरजापुर।